Scanned by SelfScan

Ajanta
Page No.
Date

Choropleth Method

वर्णमात्री (choropleth) शब्द अंग्रेजी पर्यायवा शब्द ग्रीक भाषा के choros (स्थान) तथा plethos (माप) शब्दों से मिलकर बना है तथा इसका सामान्य अर्थ क्षेत्र में मात्रा (quantity in area) होता है। इस प्रकार वर्णमात्री या छायित मानचित्र (shading map) में भिन्न-भिन्न घनत्व वाली छायाओं के द्वारा किसी वस्तु की प्रति इकाई क्षेत्र औसत संख्या या प्रतिशत मूल्य जैसे जनसंख्या का प्रतिवर्ग किलोमीटर घनत्व कृष्य भूमि (cultivated land) का प्रतिशत विभिन्न राज्यों में प्रति व्यक्ति राष्ट्रीय आय अथवा किसी फसल का भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में प्रति हेक्टेअर उत्पादन आदि प्रदर्शित किया जाता। चूँकि प्रशासनिक क्षेत्रों के आधार पर सांख्यिकीय आँकड़े को प्राप्त करना सरल होता है अतः वर्णमात्री मानचित्र बनाने के लिए प्रायः राज्यों, जनपदों, तहसीलों, विकास-खण्डों एवं अन्य क्षेत्रों की इकाई क्षेत्रों के रूप में चुना जाता है।

दूसरे शब्दों में, इन मानचित्रों में घनत्व आदि की भिन्नता को राजनितिक अथवा प्रशासनिक क्षेत्रों के आधार पर दर्शाया जाता है।

Scanned by SelfScan

ऐसा करने के फलस्वरूप वर्णमात्री मानचित्र में दो प्रकार के दोष पाए जाते है।

प्रथम :- इन मानचित्रों का घनत्व वाले क्षेत्रों को प्रशासनिक सीमाओं के द्वारा एक दूसरे से विभक्त दिखलाया जाता है, जो एक अस्वभाविक बात है क्योंकि राजनीतिक व प्रशासनिक सीमाएँ अस्थायी होती है तथा यह आवश्यक नहीं है कि घनत्व-क्षेत्रों की सीमाएँ प्रशासनिक सीमाएँ का अनुसरण करें। यही कारण है कि कभी-कभी ये कृत्रिम सीमाएँ एक ही प्रकार के क्षेत्र को कई भागों में बाँट देती है अथवा भिन्न भिन्न घनत्व वाले क्षेत्रों को मिलाकर एक प्रशासनिक क्षेत्र बना देती है।

द्वितीय :- वर्णमात्री मानचित्र बनाते समय यह मान लिया जाता है कि किसी प्रशासनिक क्षेत्र में घनत्व की मात्रा सर्वत्र एक समान है परन्तु ऐसा मान लेना त्रुटिपूर्ण है क्योंकि जैसा ऊपर बताया गया है एक ही प्रशासनिक क्षेत्र में भिन्न-2 घनत्व वाले क्षेत्र हो सकते है।

Page No.
Date

वर्णमात्री मानचित्र बनाने के लिए सर्वप्रथम विभिन्न राज्यों आदि के अनुसार दिये गये आँकड़ों को आरोही या अवरोही क्रम में व्यवस्थित करते हैं। इसके पश्चात किसी उचित अन्तराल पर आँकड़ों में बाँट देते हैं। जैसे 0-10, 10-20, 20-30 आदि के स्थान 0-9, 10-19, 20-29 के समान पद्धति अपनाई जानी चाहिए क्योंकि वर्णमात्री मानचित्रों में छायाओं के परिवर्तन से घनत्व रेखाओं के बजाए सीमा रेखाएं बोध होता है।

मूल्यों के बढ़ने के साथ साथ छायाओं में भारीपन बढ़ता जाना चाहिए जिससे मानचित्र को देखने मात्र से विभिन्न क्षेत्र का तुलनात्मक महत्व समझा जा सके। इस प्रकार सबसे कम घनत्व वाले क्षेत्र में सबसे हल्की छाया, उससे अधिक घनत्व वाले क्षेत्रों में भारी छाया तथा सबसे अधिक घनत्व वाले क्षेत्रों में भारी छाया भरी जाती है।

मानचित्र में प्रयुक्त सभी छायाओं को संकेत में दिखलाना आवश्यक होता है।

Scanned by SelfScan

2001

तालिका 3.1–भारत में साक्षरता दर 2001

भारत में साक्षरता पर वास्तविक आंकड़ा		
क्र० सं०	राज्य/संघ शासित प्रदेश	साक्षरता दर
1.	जम्मू और कश्मीर	55.5
2.	हिमाचल प्रदेश	76.5
3.	पंजाब	69.7
4.	चंडीगढ़	81.9
5.	उत्तरांचल	71.6
6.	हरियाणा	67.9
7.	दिल्ली	81.7
8.	राजस्थान	60.4
9.	उत्तर प्रदेश	56.3
10.	बिहार	68.8
11	सिक्किम	68.8
12.	अरुणाचल प्रदेश	54.3
13.	नागालैंड	66.6
14.	मणिपुर	70.5
15.	मिजोरम	88.8
16.	त्रिपुरा	73.2
17.	मेघालय	62.6
18.	असम	63.3
19.	प० बंगाल	68.6
20.	झारखंड	53.6
21.	उड़ीसा	63.1
22.	छत्तीसगढ़	64.7
23.	मध्य प्रदेश	63.7
24.	गुजरात	69.1
25.	दमन व दीव	78.2
26.	दादर एवं नागर हवेली	57.6
27.	महाराष्ट्र	76.9
28.	आंध्र प्रदेश	60.5
29.	कर्नाटक	66.6
30.	गोवा	82
31.	लक्षद्वीप	86.7

भारत में साक्षरता पर आंकड़ा (चढ़ते क्रम में)		
क्र० सं०	राज्य/संघ शासित प्रदेश	साक्षरता दर
1.	बिहार	55.5
2.	झारखंड	53.6
3.	अरुणाचल प्रदेश	54.3
4.	जम्मू व कश्मीर	55.5
5.	उत्तर प्रदेश	56.3
6.	दादर व नागर हवेली	57.6
7.	राजस्थान	60.4
8.	आंध्र प्रदेश	60.5
9.	मेघालय	62.6
10.	उड़ीसा	63.1
11.	असम	63.3
12.	मध्य प्रदेश	63.7
13.	छत्तीसगढ़	64.7
14.	नागालैंड	66.6
15.	कर्नाटक	66.6
16.	हरियाणा	67.9
17.	प० बंगाल	68.6
18.	सिक्किम	68.8
19.	गुजरात	69.1
20.	पंजाब	69.7
21.	मणिपुर	70.5
22.	उत्तराचंल	71.6
23.	त्रिपुरा	73.2
24.	तमिलनाडु	73.5
25.	हिमाचल प्रदेश	76.5
26.	महाराष्ट्र	76.9
27.	दमन व दीव	78.2
28.	पांडिचेरी	81.2
29.	अडंमान व निकोबार	81.3
30.	दिल्ली	81.7
31.	चंढीगढ	81.9

Scanned by SelfScan

32.	केरल	90.9	32.	गोवा	82
33.	तमिलनाडु	73.5	33.	लक्षद्वीप	86.7
34.	पांडिचेरी	81.2	34.	मिजोरम	88.8
35.	अंडमान व निकोबार	81.3	35.	केरल	90.9

नोट–उत्तरांचल एवं पांडिचेरी को अब क्रमशः उत्तराखण्ड एवं पुडुच्चेरी के नाम से जाना जाता है।

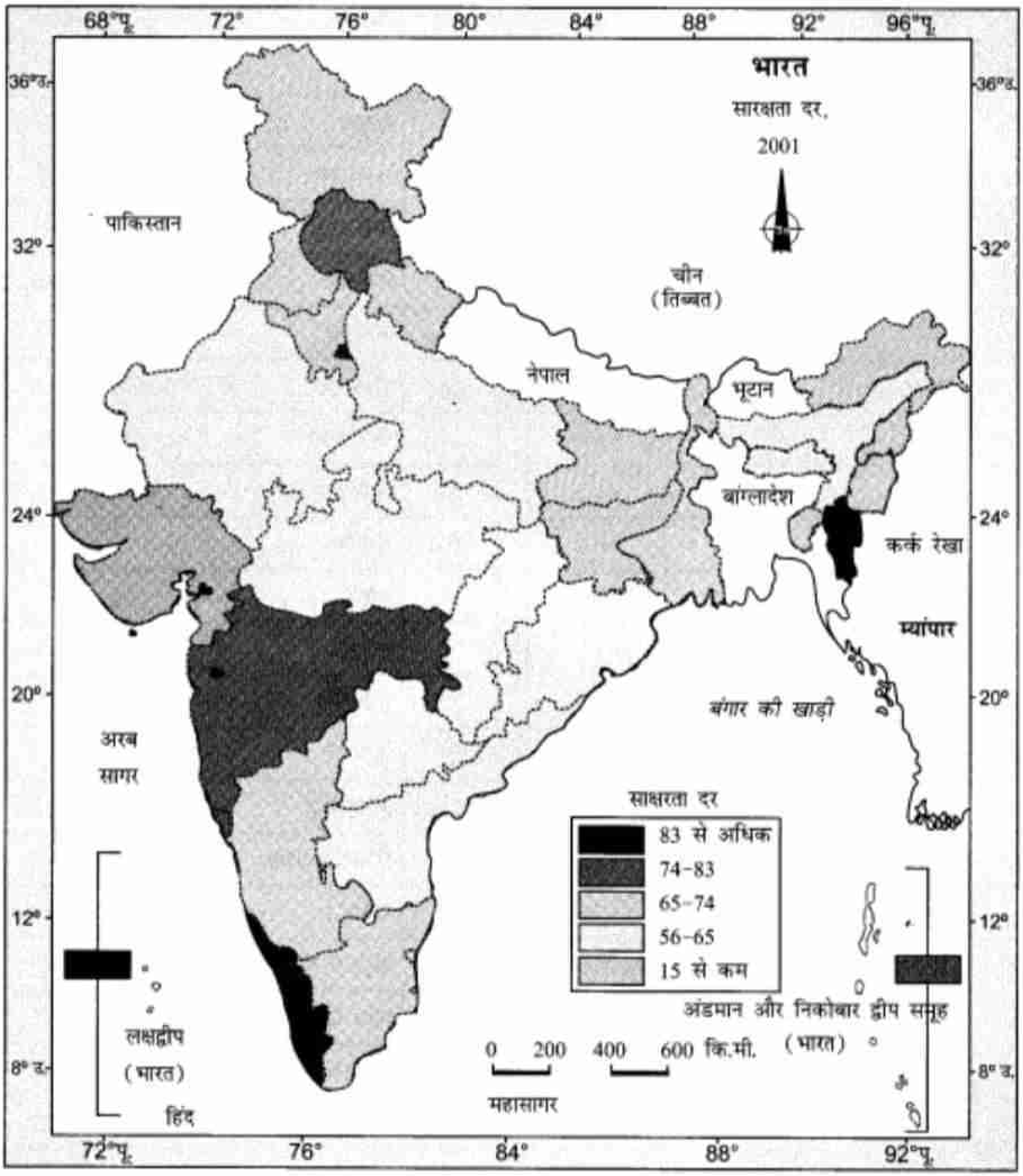

मानचित्र–3.1

Scanned by SelfScan

भारत में राज्यों के अनुसार जनसंख्या का प्रति वर्ग किलोमीटर घनत्व, 1981

राज्य	घनत्व	राज्य	घनत्व	राज्य	घनत्व	राज्य	घनत्व
दिल्ली	4,178	तमिलनाडु	371	आन्ध्र प्रदेश	[illegible]	मेघालय	[illegible]
चण्डीगढ़	3,948	पंजाब	331	कर्नाटक	[illegible]	नागालैण्ड	[illegible]
लक्षद्वीप	1,257	हरियाणा	291	गुजरात	[illegible]	सिक्किम	[illegible]
पांडिचेरी	1,228	गोवा, दमन, दिव	284	उड़ीसा	[illegible]	अण्डमान-निकोबार	[illegible]
केरल	654	असम	254	मध्य प्रदेश	[illegible]	मिज़ोरम	[illegible]
पश्चिमी बंगाल	614	दादरा व नगर हवेली	211	राजस्थान	100	अरुणाचल प्रदेश	[illegible]
बिहार	402	महाराष्ट्र	204	हिमाचल प्रदेश	[illegible]	जम्मू-कश्मीर	[illegible]
उत्तर प्रदेश	377	त्रिपुरा	196	मणीपुर	64		

सरलता एवं स्थान बचाने के विचार से प्रश्न में भारत के विभिन्न राज्यों एवं केन्द्र प्रशासित क्षेत्रों को उनके घनत्व की मात्रा के अनुसार पहले से अवरोही क्रम में व्यवस्थित करके लिखा गया है। अब मान लीजिये मानचित्र में 100 मनुष्य प्रति वर्ग किलोमीटर के अन्तराल पर पाँच प्रकार के घनत्व-क्षेत्र दिखलाने हैं तो राज्यों के निम्न प्रकार वर्ग या समूह बनाये जा सकते हैं।

क्रमांक	प्रति वर्ग किलोमीटर घनत्व	समूह में सम्मिलित राज्यों के नाम
1.	400 से अधिक	दिल्ली, चण्डीगढ़, लक्षद्वीप, पांडिचेरी, केरल, पश्चिमी बंगाल तथा बिहार।
2.	301 – 400	उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु तथा पंजाब।
3.	201 – 300	हरियाणा, गोवा, दमन व दिव, असम, दादरा व नगर हवेली तथा महाराष्ट्र।
4.	101 – 200	त्रिपुरा, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, गुजरात, उड़ीसा तथा मध्य प्रदेश।
5.	101 से कम	राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, मणीपुर, मेघालय, नागालैण्ड, सिक्किम, अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह, मिज़ोरम तथा अरुणाचल प्रदेश।
6.	आँकड़े अप्राप्त	जम्मू-कश्मीर।

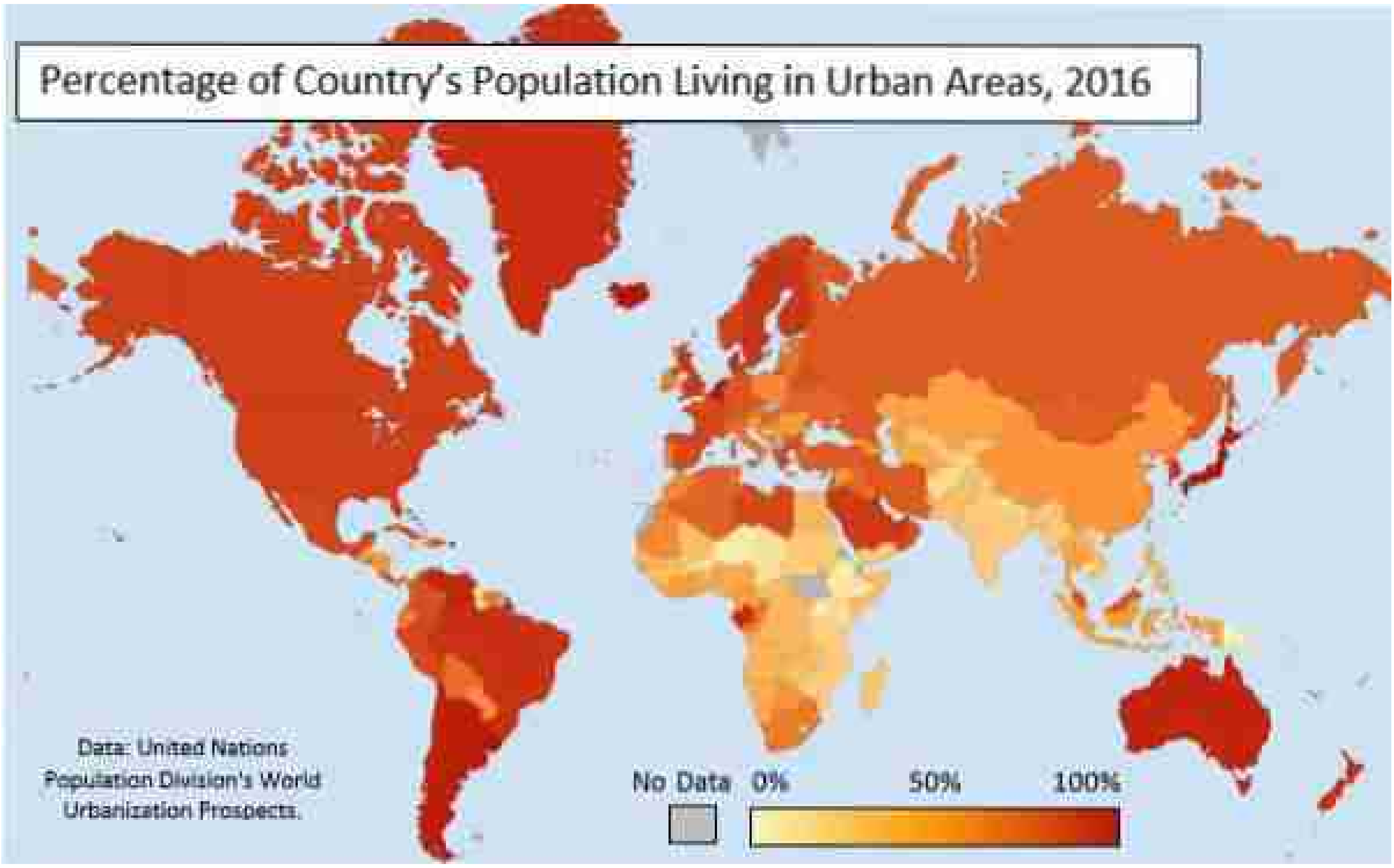

Scanned by SelfScan